अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : मध्यमा पूर्ण

विषय : तबला / पखावज

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 100

सूचना : 1) किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
2) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1 अ) सही पर्याय चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ती करे। **(5)**

1. स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोग यह चार भाग ---------- गायन शैली से संबंधित है। (धमार, ख्याल, धृपद)
2. -------- भाषा में टप्पा गायन होता है। (फारसी, पंजाबी, गुजराती)
3. होरी का वर्णन ------ गीतप्रकार में गाया जाता है। (धृपद, ख्याल, धमार)
4. सदारंग-अदारंग ने ---------- गायन प्रकारोंकी हजारो रचनाएँ बनाई है। (धृपद, धमार, ख्याल)
5. गझल अधिकतर ----- भाषा में गायी जाती है। (उर्दू, गुजराती, पर्शियन)

ब) ताल और गायनशैली की उचित जोडी बनाए। **(5)**

ताल	गायनशैली
1. धि ऽधा तीरकीट ।	सा) धृपद
2. । ति ट ता ऽ ।	रे) गजल
3. । गदि गन।	ग) ठुमरी
4. । धा धा तीं ऽ ।	म) धमार
5. । धा ती ना।	प) ख्याल

क) सही या गलत लिखे। **(5)**

1. धमार गायन प्राय: आडाचौताल में गाया जाता है।
2. ख्याल गायन विलंबित और मध्यलय में गाया जाता है।
3. सूलताल में धृपदगायन होता है।
4. तराना विलंबित लय में गाया जाता है।
5. गुलामअली धृपद गायन के लिए प्रसिध्द है।

ड) **सिर्फ उत्तर लिखे।** **(5)**

1. कौनसे ताल में सिर्फ सातवी और चौदहवी मात्रा पर 'ऽ' (अवग्रह) आता है?
2. कौनसे ताल में 'दिं' बोलपर दो बार खाली आती है?
3. सोलह मात्रा ताल में पाँचवी मात्रा से शुरु होनेवाली तिहाई समपर आने तक कुल कितनी मात्रा की तिहाई बनती है?
4. पहला, चौदहवा और सत्तावीसवा 'धा' कौनसी चक्रदार में सम पर आते है?
5. सम के बाद लगातार दो तालीयों किसे तालमें आती है?

प्र. 2 **लिपीबद्ध करे।** **(4 X 5 =20)**

तबले के विद्यार्थी

अ) तीनताल में तिस्त्रजाती कायदा, एक पलटा, तिहाई।
ब) झपताल में रेला, एक पलटा, तिहाई।
क) 'दिनतक' का रेला, एक पलटा, तिहाई।
ड) एकताल में कायदा, एक पलटा, तिहाई।

पखावज के विद्यार्थी

अ) धमारताल में तिस्त्र जाती रेला, एक पलटा, तिहाई।
ब) चौतालमें धिरधिर का रेला, एक पलटा, तिहाई।
क) सूलताल में एक परन।
ड) तेवरा ताल में फरमाइशी चक्रदार।

प्र.3 **तबला / पखावज का इतिहास तथा वर्तमान काल तक आये हुए परिवर्तन के बारे में विस्तृत जानकारी लिखे।** **(20)**

प्र. 4 **सोदाहरण परिभाषा लिखे। (कोई चार)** **(4X5 = 20)**

गतकायदा, कमाली चक्रदार, त्रिपल्ली, चौपल्ली, आमद

प्र. 5 **घराना और बाज की परिभाषा लिखकर, किन्ही दो घरानों की विस्तृत जानकारी और बाज स्पष्ट रुप में लिखे।** **(20)**

प्र. 6 **किसी दो विषयोंपर विस्तृत लिखे।** **(20)**

अ) ख्याल गायन / धृपद धमार गायन की संगत।
ब) तबला / पखावज का संगीत में महत्त्व।
क) संगीत में लय का स्थान एवं महत्त्व।

प्र. 7 **निम्नलिखित गायन शैलीयोंकी जानकारी लिखकर उसके संगत में बजनेवाला ताल लिपीबद्ध करें।** **(4X5=20)**

धृपद, टप्पा, धमार, गझल

प्र. 8 **निम्नलिखित में से कोई दो कलाकारोंका जीवनपरिचय और सांगीतिक योगदान विस्तृत लिखे।** **(20)**

उस्ताद अमीरहुसेन खाँ, उस्ताद अल्लारखाँ, उस्ताद अहमदजान थिरकवा, स्वामी पागलदास, राजा छत्रपतीसिंह

प्र. 9 **किन्ही दो की सोदाहरण तुलना कीजिए।** **(10)**

अ) 1) कायदा–रेला 2) पेशकार–कायदा 3) साथपरन–गतपरन
4) गतपरन–बोलपरन

ब) दस मिनिट तबला/पखावज स्वतंत्रवादन प्रस्तुती के लिए वादनक्रम कैसा होना चाहिए ? सोदाहरण लिखे। **(10)**

प्र. 10 **निम्नलिखित लयकारी लिपीबद्ध करे। (कोई चार)** **(4X5 = 20)**

अ) दस मात्रा की ताल $6\frac{2}{3}$ मात्रा में। (आड)

ब) रुपक ताल 4 मात्रा में। (बिआड)

क) तीनताल $9\frac{1}{7}$ मात्रा में (बिआड)

ड) बारह मात्रा की ताल 4 मात्रा में। (तिगुन–पलुस्कर लिपी में)

इ) चौदह मात्रा की ताल $3\frac{1}{2}$ मात्रा में। (चौगुन–पलुस्कर लिपी में)

फ) दसमात्रा की ताल 8 मात्रा में। (कुआड)

ग) चौदह मात्रा की ताल $11\frac{1}{5}$ मात्रा में। (कुआड)